सूर्यगायत्री मन्त्र

ॐ भूर्भुवः स्वः
तत्सवितुर्वरेण्यं
भर्गो देवस्य धीमहि।
धियो यो नः प्रचोदयात्॥

ॐ। हे पृथ्वी, आकाश और स्वर्ग!
हम अपने अन्तर में
दिव्य सावित्री अर्थात् सूर्यदेवता की
प्रभा को स्थापित करें,
जो फिर हमारे अन्तर-बोध को जाग्रत करेंगे।

© २०२२ एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।